यूएई-भारत सीईपीए परिषद और गलगोटिया विश्वविद्यालय ने ग्रेटर नोएडा में स्टार्ट-अप लॉन्चपैड बनाने के लिए हाथ मिलाया

ग्रेटर नोएडा, 28 जुलाई 2025: यूएई-भारत सीईपीए परिषद (यूआईसीसी) और गलगोटिया यूनिवर्सिटी के इनक्यूबेशन सेंटर फॉर रिसर्च, इनोवेशन, स्टार्टअप्स एंड एंटरप्रेन्योर्स (जीआईसी राइज) ने मिलकर यूएई-भारत सीईपीए स्टार्ट-अप सीरीज रोड शो के एक संवादात्मक (इंटरैक्टिव) सत्र का आयोजन किया, जिसका उद्देश्य यूएई-भारत व्यापक आर्थिक भागीदारी समझौते (सीईपीए) के तहत अधिक क्षमता वाले भारतीय स्टार्ट-अप को वैश्विक स्तर के अवसरों को मुहैया कराना है।

तेज़ी से विकसित हो रहे ग्रेटर नोएडा क्षेत्र में स्थित गलगोटिया विश्वविद्यालय, यूएई-भारत सीईपीए स्टार्ट-अप सीरीज़ रोड शो के नवीनतम चरण के लिए एक आदर्श आयोजक रहा। इसका प्रमुख इनक्यूबेशन सेंटर, जीआईसी राइज़, व्यावहारिक इनक्यूबेशन, अंतर्विषयक सहयोग और रणनीतिक मार्गदर्शन के माध्यम से उद्यमियों की अगली पीढ़ी को बढ़ावा देने के लिए विश्वविद्यालय की प्रतिबद्धता को दर्शाता है।

विश्वस्तरीय शैक्षणिक संस्थानों की मौजूदगी, बुनियादी ढांचे के विस्तार और राष्ट्रीय राजधानी से निकटता के कारण, ग्रेटर नोएडा तेज़ी से नवाचार और उद्यमशीलता के विकास के एक क्षेत्रीय केंद्र के रूप में उभर रहा है। इस क्षेत्र में सीईपीए परिषद की भागीदारी पारंपरिक महानगरों से आगे बढ़कर भारत के उभरते स्टार्ट-अप कॉरिडोर का लाभ उठाने के एक सुविचारित प्रयास का संकेत है।

इस कार्यक्रम की शुरुआत यूआईसीसी के निदेशक श्री अहमद अलजनेबी द्वारा सीईपीए स्टार्ट-अप सीरीज के बारे में व्यापक जानकारी देने के साथ हुई। नवाचार को बढ़ावा देने में संस्थागत संबंधों के महत्व के बारे में बोलते हुए, श्री अलजनेबी ने कहा: "भारत के शैक्षिक और इनक्यूबेशन संस्थान वैश्विक महत्वाकांक्षा और क्षमता वाले उद्यम तैयार कर रहे हैं। हम संस्थागत संबंधों को बढ़ावा देने में महत्व की अहमियत को समझते हैं जो इन स्टार्ट-अप्स को उनके विकास को समर्थन देने के लिए अंतर्राष्ट्रीय नेटवर्क तक पहुंचने में सक्षम बनाते हैं।"

गलगोटिया विश्वविद्यालय के मुख्य कार्यकारी अधिकारी डॉ. ध्रुव गलगोटिया ने वैश्विक साझेदारियों और नवाचार-आधारित शिक्षा के प्रति विश्वविद्यालय के समर्पण को रेखांकित करते हुए कहा: "गलगोटिया विश्वविद्यालय में, हम ऐसा इकोसिस्टम विकसित करने में विश्वास करते हैं जो युवा अन्वेषकों को वैश्विक स्तर पर नेतृत्व करने के लिए सशक्त बनाते हैं। हमें इस पहल पर यूएई-

भारत सीईपीए परिषद के साथ जुड़ने पर गर्व है, जो अंतर्राष्ट्रीय सहयोग और रणनीतिक विचार नेतृत्व के माध्यम से उत्कृष्टता को आगे बढ़ाने के हमारे दृष्टिकोण के साथ मजबूती से मेल खाता है।"

यूआईसीसी और जीआईसी राइज के बीच एक समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए गए, जो नवाचार और उद्यमिता में साझा लक्ष्यों को आगे बढ़ाने पर केंद्रित एक सहयोगपूर्ण साझेदारी की शुरुआत है।

इस कार्यक्रम में यूएई-भारत स्टार्ट-अप सीरीज का आधिकारिक ट्रेलर दिखाया गया। इस ट्रेलर से उपस्थित लोगों को कार्यक्रम की संरचना, संस्थापकों की यात्रा और चयनित उद्यमों के लिए उपलब्ध सपोर्ट इकोसिस्टम के बारे में जानने का अवसर मिला।

सत्र का समापन एक संवादात्मक प्रश्नोत्तर सत्र के साथ हुआ, जिसमें छात्रों, संस्थापकों और संकाय सदस्यों ने श्री अलजनेबी के साथ एक रोचक चर्चा की। इस आदान-प्रदान से सीईपीए स्टार्ट-अप सीरीज़ के बारे में बहुमूल्य जानकारी मिली और प्रतिभागियों को परिषद के नेतृत्व से सीधे चयन के मार्ग को समझने का एक अनूठा अवसर मिला।

इस सीरीज में शामिल होने के इच्छुक स्टार्ट-अप अभी भी आवेदन कर सकते हैं। स्टार्ट-अप द्वारा अधिक रुचि दिखाए जाने के कारण, आवेदन की अंतिम तिथि 15 अगस्त 2025 तक बढ़ा दी गई है।

आवेदन करें: https://start-upseries.cepacouncil.com

मीडिया से जुड़ी जानकारी या अधिक जानकारी के लिए कृपया संपर्क करें: info@cepacouncil.com

यूएई-भारत सीईपीए परिषद के बारे में

यूएई-भारत सीईपीए परिषद (यूआईसीसी) यूएई-भारत व्यापक आर्थिक भागीदारी समझौते के तहत व्यापार, निवेश और नवाचार को बढ़ावा देने के लिए स्थापित एक समर्पित द्विपक्षीय मंच है। यह साझे आर्थिक अवसरों को बढ़ावा देने के लिए दोनों देशों के व्यवसायों, सरकारों और संस्थानों के बीच रणनीतिक सहयोग की सुविधा प्रदान करती है।

यूएई-भारत सीईपीए परिषद को फॉलो करें:

- LinkedIn
- Instagram
- X (formerly Twitter)
- YouTube

गलगोटिया विश्वविद्यालय के बारे में

ग्रेटर नोएडा स्थित गलगोटिया विश्वविद्यालय एक प्रमुख शैक्षणिक संस्थान है, जो नवाचार, प्रौद्योगिकी और उद्यमिता पर फोकस के लिए जाना जाता है। अपने जीआईसी राइज़ इनक्यूबेशन सेंटर के माध्यम से, विश्वविद्यालय छात्रों और फैकल्टी एंटरप्रेन्योर को मार्गदर्शन, वित्तपोषण और वैश्विक पहुंच प्रदान करता है। यह उन उद्यमों को विकसित करने में अहम भूमिका निभाता है जो राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर विस्तार के लिए तैयार हैं।